हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 16 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नर्मदा घाट में स्नान के लिए उमड़ी भीड़

नारायणगंज। नारायणगंज अंतर्गत कुम्हा घाट में आज मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जा रहा है इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु तड़के सुबह नर्मदा स्नान के लिए घर से निकल पड़े वहीं नर्मदा घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त में स्नान दान किया है नर्मदा घाट में आसपास क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोगों ने नर्मदा जी का स्नान कर पूजा अर्चना की नर्मदा घाटों में पंचायत द्वारा व्यापक व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से टिकरिया पुलिसऐसे में सुरक्षा के लिहाज से चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है कुम्हा घाट पर प्रशासन ने कल से ही सुरक्षा दुरूस्त रखी हुई है आज सुबह से दोपहर तक मकर संक्रांति स्नान पर्व पर एक हजार से ज्यादा श्रद्धालु ने नर्मदा तट में आस्था की डुबकी लगाई ग्राम पंचायत के सरपंच अखिलेश मरावी सचिन दीपचंद साहू एवं पंचायत के सभी पंचो एवं गांव के लोगों के सहयोग से दो दिवसी मैला।

नर्मदा जयंती के अवसर पर निर्झरणी महोत्सव का आयोजन

मण्डला। नर्मदा जयंती के अवसर पर ''निर्झरणी महोत्सव'' का प्रदेश के विभिन्न घाटों, स्थलों पर आयोजन किया जाना है। 25 जनवरी को नर्मदा जयंती के अवसर पर माहिष्मती घाट में ''निर्झरणी महोत्सव'' कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण श्री सचिन जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

4 सब डिवीजन में संभाल रहे एसडीओ का प्रभार

एक उपयंत्री के आसरे जल संसाधन विभाग

*** ले-आउट हुआ नहीं और खरीद लिये 7.5 करोड़ के पाईप।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में मुख्य रूप से तीन निर्माण एजेंसियां हैं जिन पर ही विभिन्न निर्माण कार्यों के संपादन की जिम्मेदारी होती है एक है लोक निर्माण विभाग दूसरी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग और तीसरी एजेंसी है जल संसाधन विभाग इन्हीं के माध्यम से सड़क, पुल पुलिया, भवन, नहर एवं बांध आदि का निर्माण किया जाता है इन तीनों निर्माण एजेंसियों में तकनीकी अधिकारी पदस्थ होते हैं जो कि मैदान से लेकर शासन तक की जिम्मेदारी संभालते हैं जमींनी स्तर पर उपयंत्री होते हैं जो कार्य डिजाइन के अनुसार गुणवत्तापूर्ण संपन्न कराएं इसकी जिम्मेदारी उन पर होती है उसके ऊपर एसडीओ होते हैं जिनके माध्यम से किए गए कार्य का मूल्यांकन किया जाता है और भुगतान की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाती है और फिर जिले में कार्यपालन यंत्री होते हैं जो पूरे जिले की व्यवस्था संभालते हैं जिन्हें ई के नाम से भी जाना जाता है प्रत्येक सबडिवीजन में अलग-अलग उपयंत्री एवं एसडीओ पदस्थ होते हैं जो अपने कार्यक्षेत्र के कामों को देखते हैं।

सरकार इन्हें इस काम में रख रही है तो निश्चित रूप से ये इस काबिल होंगे इतना तकनीकी ज्ञान रखते होंगे कि निर्माण कार्य व्यवस्थित तरीके से पूरा हो लेकिन जब शासन-प्रशासन के जिम्मेदार लोग किसी एक अधिकारी पर ही पूर्ण रूपेण निर्भर हो जाए तो फिर इसे क्या कहा जाए।

जिले में इस समय ऐसा ही हो रहा है वर्तमान में एक उपयंत्री को एसडीओ का प्रभाव दे दिया गया है और वह भी एक सबडिवीजन में नहीं बल्कि इन महाशय के पास चार चार प्रभार है इनका नाम है मुकेश कुमार मुड़िया जो की मूलतः उपयंत्री हैं उनके पास नरसिंहपुर सब डिवीजन के करेली में प्रभारी एसडीओ का प्रभार भी है यह जबलपुर सब डिवीजन में प्रभारी एसडीओ के रूप में काम कर रहे हैं यह पिंडरई सब डिवीजन के भी प्रभारी एसडीओ है और साथ ही इन्हें अंजनिया सब डिवीजन का भी प्रभारी एसडीओ बनाया गया है अब जिन सब डिवीजन का इन्हें प्रभारी एसडीओ बनाया गया है उन क्षेत्रों में कई सौ करोड़ के काम प्रस्तावित है ऐसा लगता है कि इनकी काबिलियत देखकर ही इन्हें इतने प्रभारों से नवाजा गया है जबकि यहां पहले से ही एसडीओ पदस्थ है तो वहां पर एक उपयंत्री को प्रभारी एसडीओ बनाकर भेजा जाना क्या दर्शाता है।

दूसरी ओर यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि इन्हें शायद बली का बकरा बनाने की तैयारी की जा रही है ज्ञात हो कि नैनपुर पिंडरई के थावर परियोजना अंतर्गत लगभग 130 करोड़ के काम होने हैं तो वहीं अंजनिया सबडिवीजन में लगभग 800 करोड़ के काम प्रस्तावित है जिसमें एक बड़ा बांध भी शामिल है जो की मवई विकासखंड में बनाया जाना प्रस्तावित है अब नियम तो यह कहता है कि यह काम तो बिछिया एसडीओ के प्रभार के अंतर्गत होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा विशेष रूप से उपयंत्री मुकेश कुमार मुड़िया को एसडीओ बनाकर उन्हें यहां पदस्थ कर काम कराया जा रहा है।

इसके साथ ही अंजनिया सबडिवीजन में एक उपयंत्री नवोदित साहू भी पदस्थ किए गए हैं जिनके पास पहले से ही जबलपुर के हिरन सबडिवीजन का प्रभार है यह जबलपुर के ही उपयंत्री है इन लोगों को विशेष प्रभार देकर क्यों यहां पदस्थ किया गया है यह एक बड़ा प्रश्न है।

यहां जो पहले से ही अधिकारी पदस्थ हैं क्या वे क्षमता वान नहीं है या फिर विश्वास के योग्य नहीं हैं तभी तो एक उपयंत्री को विशेष प्रभाव देकर उन्हें यहां प्रभारी एसडीओ बनाया गया है।

इस विभाग के जो वर्तमान में कार्यपालन यंत्री प्रभार पर हैं इनका भी मंडला के प्रति विशेष मोह है इन्हें 2024 में भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया था लेकिन 17 अक्टूबर 2025 को पुनः मंडला में पदस्थ हो गए हैं अब महत्वपूर्ण विभागों में इस तरह की पदस्थापना बिना वरिष्ठता पर विचार किये हो रही है तो उसके पीछे कोई विशेष कारण तो होगा ही। या फिर जैसा बड़े व्यापारी करते हैं जो गल्ले पर उसको ही बैठाते हैं जो दुकानदारी अच्छे से चला सके और लेन-देन भी बढ़ियां रख सके।

मवई विकासखण्ड के ग्राम भरकी देवरीदादर में एक डेम निर्माण प्रस्तावित है यह कार्य अपर बुढ़नेर परियोजना अंतर्गत होना है इस कार्य के लिये अभी डेम निर्माण के आसपास के ग्रामीणों का भू-अर्जन भी नहीं किया गया है और तो और बांध का फांउडेशन कार्य भी नहीं प्रारंभ किया गया है और न ही पर्यावरण विभाग एवं वन विभाग की अनुमति भी ली गई है लेकिन डेम में लगने वाले लोहे के पाईप अभी से ही खरीद लिये गये हैं। सूत्रों की माने तो इन लोहे के पाईपों का जो 700-800 एवं 1000-1200 एमएम के पाईप हैं जिनका भुगतान भी 7.5 करोड़ कर दिया गया बताया जा रहा है और ये लोहे के पाईप जल संसाधन विभाग के अधिपत्य में ही स्टोर किये गये हैं। अब यह तो समझा जा सकता है कि अंजनिया सबडिवीजन और बांध निर्माण क्षेत्र किस सबडिवीजन के समीप है इस कार्य में बिछिया एसडीओ की क्या भूमिका होनी चाहिये थी उन्हें किनारे कर क्यों एक उपयंत्री को एसडीओ का प्रभार देकर इन कार्यो को संपादित करने की योजना बनाई जा रही है यह सब वे प्रश्न है जो लगातार न केवल विभाग को कटघरे में खड़ा करते हैं बल्कि निर्माण कार्यो की हकीकत भी बयां करते हैं।

हीरापुर में 'आरोग्यम मंडला 2.0' स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मण्डला। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर सोमेश मिश्रा की पहल पर जिले के प्रत्येक नागरिक तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरोग्यम मंडला 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज 15 जनवरी को जनपद पंचायत नैनपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत हीरापुर में जन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिले में आमजन को ग्राम पंचायत स्तर पर ही बेहतर और निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आज जिले भर में कुल 33 स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। हीरापुर में आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। आयुष विभाग के द्वारा पारंपरिक उपचार पद्धतियों और आयुर्वेद के प्रति जागरूकता और महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों और महिलाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग की। शिविर का शुभारंभ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों की मौजूदगी में हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और शासन की योजनाओं का लाभ लिया।

श्वान में ट्यूमर की सफल सर्जरी

मण्डला। उपसंचालक पशु पालन एवं डेयरी विभाग मंडला डॉ. यू.एस. तिवारी के मार्गदर्शन में तथा पशु चिकित्सालय बम्हनी बंजर में डॉ. सुमित कुमार पटेल, प्रभारी शल्य चिकित्सा विंग द्वारा पशु पालक श्री शिव दुबे के श्वान में ट्यूमर की सफल सर्जरी की गई। श्वान को सीने में ट्यूमर था जिसकी जाँच उपरांत सफल ऑपरेशन किया गया।

लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार, 15,000/- नकद बरामद

मण्डला। दिनांक 12.01.2025 को गोपी राम नंदा (उम्र 57 वर्ष), निवासी ग्राम गढ़ी, चौकी हिरदेनगर, थाना महाराजपुर द्वारा चौकी हिरदेनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि ग्राम मांद, चौकी अंजनिया, थाना बम्हनी निवासी खगेश झारिया द्वारा ट्रैक्टर लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की है। खगेश झरिया द्वारा एचडीएफसी बैंक जबलपुर से 4,09,000/- का ऋण स्वीकृत कराया गया। गोपी राम नंदा द्वारा ट्रैक्टर क्रय न कर पाने की जानकारी देने पर आरोपी खगेश झारिया ने दिनांक 25.11.2025 को उक्त राशि बैंक से निकलवाकर गोपी राम नंदा के खाते में जमा कराई तथा आईसीआईसीआई बैंक से अधिक ऋण दिलाने का झांसा देकर अपने दो साथियों प्रत्येश ठाकुर, सचिन पटेल को बैंक कर्मचारी बताकर रकम ले ली। इसके पश्चात गोपी राम नंदा को एचडीएफसी बैंक की फर्जी जमा रसीद 3,91,300/- की थमा दी गई। जब गोपी राम नंदा के खाते से ऋण की किस्त कटने लगी तो बैंक में संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त राशि बैंक में जमा ही नहीं की गई है। इस प्रकार आरोपियों द्वारा कूट-रचित दस्तावेज तैयार कर सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी करते हुए राशि हड़प ली गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी कर दिनांक 14.01.2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार आरोपी में खगेश झारिया निवासी ग्राम मांद, चौकी अंजनिया, प्रत्येश ठाकुर निवासी ग्राम मांद, चौकी अंजनिया, सचिन पटेल निवासी ग्राम मांद शामिल रहे। जप्त सामग्री में नकद 15,000/- आरोपी खगेश झारिया से बरामद किये गये। जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी खगेश झारिया के विरुद्ध पूर्व में भी कोतवाली, बम्हनी एवं घुघरी थानों में धोखाधड़ी एवं विश्वासघात से संबंधित प्रकरण दर्ज रहे हैं। शेष राशि की बरामद करने हेतु कार्रवाई जारी है।

पर्व | **मकर संक्रांति पर संगम घाट पहुँचीं मंत्री श्रीमती उइके।**

नौका विहार कर घाटों का किया भ्रमण

*** प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को दिये निर्देश।**

रिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने गुरुवार को संगम घाट पहुँचकर मेले एवं घाट क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, एएसपी श्री शिव कुमार वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने यहाँ ने आयोजित भंडारे का वितरण कर श्रद्धालुओं को प्रसाद प्रदान किया और उनसे चर्चा करते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस मौके पर श्री प्रफुल्ल मिश्रा, श्री रानू राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी भंडारा वितरित किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती उइके एवं कलेक्टर श्री मिश्रा ने मेले की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन एवं अन्य सुविधाओं को भी देखा। उन्होंने मेले में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित रहें।

घाटों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था

स्नान एवं नौका विहार के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका को देखते हुए मंत्री श्रीमती उइके एवं कलेक्टर श्री मिश्रा ने घाटों की सुरक्षा व्यवस्था का भी अवलोकन किया। उन्होंने रंगरेज घाट, वैद्यघाट, किलाघाट, जेलघाट, नानाघाट में पुलिस बल, होमगार्ड द्वारा की गई व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने श्रद्धालुओं द्वारा नौकाविहार करने पर लाईफ जैकेट का इस्तेमाल करने की सख्त हिदायत दी। नर्मदा नदी की गहराई में श्रद्धालुओं को जाने से रोकने हेतु लगाए गए बैरिकेडिंग, सांकेतिक चिन्हों एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति भी देखी और आवश्यक सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती उइके ने माँ नर्मदा को प्रणाम कर लिया आशीर्वाद

मंत्री श्रीमती उइके ने माँ नर्मदा को प्रणाम कर जिलेवासियों के सुखी सम्पन्न एवं समृद्ध जीवन की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने नौका विहार के दौरान पक्षियों को दाना खिलाया और संगम घाट परिसर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने अवगत कराया कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश, जिला शाखा मंडला के जिला अध्यक्ष श्री सतीश मिश्रा के नेतृत्व में प्रांतीय निकाय के आह्वान पर अपनी 11 सूत्रीय लंबित एवं न्यायोचित मांगों के निराकरण हेतु जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत तृतीय वर्ग कर्मचारियों ने मुख्य सचिव महोदय के नाम कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकीय विभाग, लिपिक वर्ग, कार्यालयीन कर्मचारी, टीसीपीसी,संविदा एवं अन्य श्रेणी के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी विभागों के कर्मचारियों ने अनुशासन एवं एकजुटता का परिचय देते हुए शासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया। ज्ञापन में पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों को पदोन्नति लाभ प्रदान करने, वेतन विसंगतियों का शीघ्र निराकरण करने, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्त करने, लंबित एरियर्स एवं भुगतान शीघ्र करने, नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता का लाभ देने, अनुकंपा नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी की पदोन्नति पर सीपीसीटी की अनिवार्यता खत्म करने सहित अन्य महत्वपूर्ण मांगों को प्रमुखता से रखा गया। संघ द्वारा बताया गया कि वर्षों से कर्मचारियों की कई समस्याएं लंबित हैं, जिससे कर्मचारियों में निराशा एवं असंतोष व्याप्त है। यदि शासन द्वारा इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लिया जाता है तो इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा तथा शासकीय कार्यों की गुणवत्ता एवं कार्यक्षमता में भी सकारात्मक सुधार आएगा। जिला अध्यक्ष सतीश मिश्रा ने कहा कि तृतीय वर्ग कर्मचारी शासन-प्रशासन की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी से शासकीय कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शासन कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा। ज्ञापन में तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के संभागीय उपाध्यक्ष राकेश शुक्ला, जिला सचिव रवि शंकर साहू, जिला उपाध्यक्ष ज्ञान लता कुजूर, कोषाध्यक्ष कविता शुक्ला, कृष्णा उपाध्याय, सीमा चौरसिया, ज्योति मिश्रा, मनीषा नायडू, ऊषा झारिया, आशा धुर्वे, राममिलन सिंगौर, आशुतोष कुशवाहा, प्रेम भाँवरे, राजकुमार भाँवरे, गणेश बरमैया, दिनेश मिश्रा, राजेंद्र अग्रवाल, आलोक उपाध्याय, दिलीप मिश्रा, नवल यादव, शारदा गोप, मनीष श्रीवास्तव, श्रीमती नमिता श्रीवास्तव, प्रभात मिश्रा, नरेंद्र दुबे आदि सम्मिलित रहे। कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को शासन के समक्ष रखते हुए शीघ्र निराकरण की अपेक्षा व्यक्त की।

वेद प्रकाश कुलस्ते ने भेंट की जीत की ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

लालीपुर (भावल) खैरमाई क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबले के साथ भव्य समापन हुआ यह प्रतियोगिता 16 दिसंबर से 2025 से प्रारंभ हुई थी जिसमें जिले भर से लगभग 22 टीम उत्साह पूर्वक भाग लिया जिसमें विजेता 15501रुपये व मैन ऑफ़ द सीरीज और उपविजेता 7501 रुपये व शील्ड देने का प्रावधान किया गया। प्रतियोगिता के सेमी फाइनल में लालीपुर वर्सेस कटिया के बीच टॉस किया गया जिसमें कटिया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय ली और शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 ओवर में 140 रन बनाई जिसका पीछा करते हुए लालीपुर टीम 12 ओवर में 110 रन ही बना पाई। जिसमें शानदार प्रदर्शन की रहते हुए कटिया क्रिकेट टीम ने ट्रॉफी विजेता अपने नाम किया, प्रतियोगिता के दौरान जनपद अध्यक्ष नारायणगंज के श्री आसाराम भारतीय के द्वारा हैट्रिक हैट्रिक विकेट हैट्रिक 4 हैट्रिक 6 लगाने वाले खिलाड़ियों को 500-500 रुपये का पुरस्कार राशि की घोषणा की गई जिसमें खिलाड़ियों का अति उत्साह देखने को मिला। इस अवसर में जिला सदस्य इंजीनियर भूपेंद्र वरकडे जनपद केंद्रीय मंत्री फागन सिंह कुलस्ते के सुपुत्र वेद प्रकाश कुलस्ते ने आपने उद्बोन खिलाडियों का उत्साह वर्धन किया पुरूस्कार वितरण कर क्षेत्र वासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ ही गुलाब सिंह वरकड़े जयस जिला अध्यक्ष रतन सिंह वरकड़े संयोजक रणजीत सिंह राजपूत अनिल सिंह बघेल धनेंद्र सिंह बघेल ग्राम सरपंच नोहर सिंह मरावी वार्ड पंच फूल सिंह योगेश पनारिया उमेदि मरावी बृजमोहन ठाकुर सुनील मलगाम राजेश उईके मनीष दुबे शिवम तिवारी सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सम्मिलित रहे, अतिथियों के द्वारा विजेता टीम और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करके समापन किया गया।

विभाग के कार्यकर्ताओं की मिलीभगत के चलते शहरों सहित क्षेत्र में अनेक जगहों पर चल रहे अटल ज्योति योजना की बिजली से प्रभावशालियों के नलकूप

सक्षम अधिकारियों से निष्ठा से जांच की गई तो स्थानीय स्तर के अधिकारी हो सकते है बेनकाब...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर इस समय बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिजली बिल जरा भी बाकी होता है तो बिजली विभाग द्वारा बिल बसूली के नाम पर सिर्फ उनकी लाईन ही नही काटी जाती है बल्कि उनके घरों में रखी हुई सामग्री की कुर्की करते हुए समाज में अपमानित करने से भी नही चुकता तो दूसरी ओर जेल तक भेजने की कार्यवाही करने में देरी नही की जाती है..? वही दूसरी ओर जब क्षेत्र में बिजली की अधिक खपत होती है और उसका उपभोक्ताओं की मीटरों से मिलना नही होता है तो सीधे साधे आम उपभोक्ताओं के ऊपर ओवर लोडिंग का भार जडते हुये उन्हें मनमाना बिल थमाने में भी कोई कसर नही छोड़ी जाती है। यह पूरी स्थिति उन लोगों के कारण बनती है जो लोग बिजली विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिली भगत से जहां खुलेआम अटल ज्योति योजना की लाईनों से अपनी नलकूप चल रहे होते या फिर सीधे तारों से बिजली जोडकर खुलेआम बिजली चोरी करने से नही चूकते है। इस तरह बिजली चोरी रोकने का जिम्मा क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों के हाथों में होता है। मगर जब उन्ही लोगों द्वारा बिजली चोरी की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये अभयदान दिया जा रहा हो तो फिर बिजली चोरी कैसे रूक पायेगी। इस बात की कल्पना आसानी से की जा सकती है...? कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय सांईखेड़ा , चीचली, सालीचौका, सिहोरा, कौड़िया, पलोहा सहित क्षेत्र के अनेक गाँों में देखने मिल रही है जहां पर जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की कृपा दृष्टि के चलते खुलेआम अटल ज्योति योजना के लाईनों से लोगों के नलकूप चलते हुये देखे जा रहा है तो दूसरी ओर सीधे तारों से कंटी फसाकर बिजली चोरी होते हुये देखने के बाद भी कर्मचारियों द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुये देखा जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? जब इस तरह बिजली चोरी के चलते सांईखेडा क्षेत्र में बिजली की खपत का रिकार्ड निर्धारित उपभोक्ताओं की खपत से मेल नही होता है तो नियमों का पालन करने वाले इन उपभोक्ताओं पर बिजली विभाग द्वारा ओवर लोड़िग का आरोप लगाते हुये उन्हें मनमाने बिल थमाने में कोई कसर नही छोड़ते है? मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो कुछ प्रभाव शाली लोगों को बिजली विभाग द्वारा ही संरक्षण देते हुए किस प्रकार से दूसरी योजना के तहत सप्लाई किये जाने बिजली का उपयोग कराया जा रहा है इस बात की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में आसानी से देखने मिल सकती है? इस संबंध में बताया जाता है कि जहां बिजली विभाग द्वारा सरकार की अटल ज्योति योजना के तहत लोगों को गांवों में 24 घंटे बिजली प्रदान करने हेतु अलग लाईन खीची गई है तथा किसानों को अपनी खेती बाड़ी के उपयोग हेतु अलग अलग लाईन प्रदान की गई जिसके चलते जहां खेती बाड़ी के उपयोग हेतु बिजली विभाग द्वारा बिजली प्रदाय करने के लिए निर्धारित समय किया गया है। उसी समय पर बिजली प्रदान की जाती है तथा गांवों में बिजली का उपयोग करने वाले लोगों को अधिक समय तक

बिजली प्रदान की जाती है? मगर क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम अटल ज्योति योजना के तहत प्रदान की जाने वाली बिजली का धडल्ले से उपयोग किया जा रहा है..? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जा रहा है कि किसानों के खेतों पर लगी हुई बिजली डीपी शायद बिलों के आभाव में जल लाने के बाद बदली नही जा रही है, जिसके चलते कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम गांव में अटल ज्योति योजना की बिद्युत लाईन से अवैधानिक रूप से कनेक्शन लेते हुए उसका उपयोग किया जा रहा है? मगर हद तो तब हो जाती है जब इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना इस बात का उदाहरण स्पष्ट हो रहा है कि शायद बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से बिजली चोरी करने वालों को शह प्रदान की जा रही है...? क्योंकि क्षेत्र के कुछ लोगों का कहना है कि जब इस प्रकार से अवैधानिक रूप से अटल ज्योति बिजली का उपयोग करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाता है तो वह सूचना देने वाले व्यक्ति के ऊपर ही अपना रौब झाडने से भी नही चुकते है और उसके घर पहुंचकर बिजली चोरी का आरोप लगाते हुये कार्यवाही करने में भी पीछे नही रहते है..? इस बात से तो यह स्पष्ट होता हुआ जान पड़ रहा है कि इस प्रकार से नियम विरूद्व किये जा रहे अटल ज्योति बिजली के दुरूपयोग के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही न होना बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से प्रभावशाली लोगों को बिजली का उपयोग किये जाने में अपना संरक्षण प्रदान किया जा रहा है? क्योंकि इस प्रकार से धडल्ले इस 11 के व्ही लाईन से कन्टी बनाते हुए जोड़ी गई बिजली लाईन के संबंध में बिजली विभाग के कर्मचारियों को जानकारी न हो यह तो संभव हो ही नही सकता है? जबकि बिजली विभाग के लाईन मेनों द्वारा आये दिन क्षेत्र का भ्रमण करते हुए बिजली लाईनों की जांच की जाती रहती है, और इसके बाद भी इस प्रकार से दूसरी योजना की बिजली का उपयोग करना बिजली विभाग की मिली भगत की देने के आलवा और कुछ नही हो सकता है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि इस क्षेत्र के अन्य किसान खेती के लिए प्रदान की जाने वाली बिजली बंद होने के कारण जहां वह अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए बंचित हो रहे है? वही दूसरी ओर प्रभाव शाली लोग बिजली विभाग की मिली भगत के चलते जलबे मारते हुए नियम विरूद्व अटल ज्योति योजना की बिजली का दुरूपयोग करते हुए देखे जा रहे है? जिसके चलते बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर भी अनेक प्रकार के सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है?

खबर संक्षेप

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं तथाकथित कुछ कंपनियाँ, गांव गांव भ्रमण करते हुये फैलाया जा रहा है अपना गोरखधंधा..?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं, इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा..? इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं,पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं, इतना ही नहीं इन तथाकथित कंपनियों ने अनेक शासकीय कर्मचारियों को भी अपनी गिरफत में ले लिया हैजो अपने एजेन्ट बनाने के लिये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभाव डालकर उन्हें इस कंपनी की लिंक चैन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

निर्माण के चंद महिनों में ही उखड़ गई तूमडा से शुगर मिल के बीच बनाई सीमेन्ट सड़क, गुणवत्ता की सच्चाई उजागर होने से सीमेन्ट का घोल पिलाकर छिपाने का प्रयास...?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

निश्चित तौर से ग्रामीण क्षेत्रों में जब किसी तरह से पक्की सड़को का निर्माण होता है तो वह लोग खुशी से फूल नही समाते है। क्योंकि इन सड़को के निर्माण से जहां ग्रामीणों को परेशानियों से निजात मिल जाती है। वही दूसरी ओर सड़को के निर्माण को लेकर वह नेताओं के चक्कर काटते हुये स्वीकृत कराने के लिये रात दिन एक करने में कोई कसर नही छोड़ते है। मगर जब सड़क बनने के चंद दिनों के उपरांत ही टूट जावे तो सड़क के साथ साथ ग्रामीणों के सपने भी टूटने से नही चूकते है..? वही दूसरी ओर निर्माण में होने वाली गफलतबाजी की सच्चाई उजागर होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई हाल ही में समीपस्थ ग्राम तूमड़ा से आकृति शुगर मिल के बाजू से होते हुये मुख्य मार्ग यानि की सांईखेड़ा झिकोली मार्ग से जोड़ने वाली सीमेन्ट सड़क के रूप में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण हाल में हुआ था। मगर जिस तरह यह सड़क चंद दिनों के अंदर टूटते हुये नजर आने लगी है वह निश्चित तौश्र से अपनी गुणवत्ता की कहानी को उजागर होते हुये देखी जा रही है जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण मे भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुये जांच की मांग की जा रही है..? ग्रामीणों का कहना है कि जब सड़क का

निर्माण हुआ था तो हम लोगों में काफी खुशी थी। मगर जिस तरह सड़क निर्माण के चंद दिनों के अंदर ही टूटना शुरू होने से यह बात उजागर होने से नही चूक पा रही है कि सड़क निर्माण के दौरान निर्माण करने वाली कंपनी और संबंधित विभाग द्वारा बडे स्तर पर की गई गफलतबाजी का परिणाम है। यदि इस सड़क की निष्ठा के साथ जांच हो जाती है तो निश्चित तौर चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ संबंधित विभाग से लेकर निर्माण कार्य कंपनी से जुडे लोग बेनकाब होने से नही बच पायेगे..? बताया जाता है क्रि। तूमड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शुगर मिल–तूमड़ा–साईखेड़ा सड़क का निर्माण कुछ महिनों पहले ही हुआ था और चंद दिनों में जहां तहां खुदने के साथ साथ टूटने से लोगों का पैदल चलना मुश्किल होने लगा है। इस तरह टूटती हुई सड़क को लेकर जिला स्तर के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। मगर हैरानी की बात यह है कि शिकायतों के बाद न तो इस ओर किसी अधिकारी द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही सुधार कार्य किया जा रहा है। यह बात जरूर है कि अपनी गुणवत्ता की सच्चाई उजागर करते हुये दिखाई दे रही सड़क को सीमेन्ट का खोल पिलाते हुये सच्चाई को छिपाने के प्रयास जरूर दिखाई देने लगे है..? वही दूसरी और गौर किया जावे तो जिस तरह से जिम्मेदारों को मौन देखा जा रहा है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों में रोष व्यप्त होते हुये दिखाई देने लगा है।

पुलिस के लिए नौ एन्ट्री बनी मजाक..., भारी वाहन धडल्ले से नगर में कर रहे है प्रवेश?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महँगी कारों मे घूमने प्रशासनिक अधिकारी लाख दावा करें कि शहर की यातायात व्यवस्था मे पूर्वापेक्षा सुधार हो रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि यहाँ की यातायात व्यवस्था अराजक है, जिसे पटरी पर लाने की पहले की गयी कवायद बेअसर साबित हुई है? शहर मे वाहनों की अधिकता के बावजूद जनसुरक्षा की जवाबदारी निभाने वाला विभाग अनियंत्रित गति से दिन रात धमाचौकडी करने वाली उन भारी भरकम ट्रकों पर ध्यान नही दे रहा है जो सारेआम सड़कों पर मौत का सायरन बजाकर असुरक्षा का माहौल निर्मित कर शहरवासियों को चिन्ता मे डाल रहे है? शहर की मुख्य सडकों पर धडल्लें से दौड़ रहे भारी भरकम ट्रक चालकों की हिमाकत के सामने लगता है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने का ढोल पीटने वाले बौने साबित हो रहे है, जिसका परिणाम है कि शहर मे आवागमन जोखिम भर होता चला जा रहा है? समूचें शहर मे ट्रकों का कोलाहल, तेज ध्वनियाँ गूँजने से शहरवासियों के सब्र का बांध टूट रहा है और भारी भरकम ट्रकों का नो एंट्री टाइम निश्चित होने के बाद भी उनका नगर में प्रवेश करना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबाल खडे कर रहा है? ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पहले नगर में पदस्थ रही तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा नगरवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुये सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर निषेध करते हुये स्थाई नो एन्ट्री लागू करने का आदेश पारित करते हुये उसे सुचारू कर दिया गया था जिसके चलते नगर के प्रवेश द्वारा पर नो एन्ट्री संबंधी वोर्ड भी लगे हुये है, जिसके चलते लोगों का कहना है कि जब जब नगर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो एन्ट्री लागू करते हुए नगर में

प्रवेश करने वाले स्थलों पर वोर्ड स्थापित करते हुए समय निश्चित कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी नगर धडल्ले से भारी वाहनों का प्रवेश होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है? क्योंकि भारी ट्रको की नगर की सड़कों पर आवाजाही से वे अभिभावक चिंतित प्रतीत हो रहे है, जिनके बच्चे शालाओं मे पढ़ने के लिए जा रहे है, अभिभावकों के अनुसार भीषण महँगाई के दौर मे बच्चों को शिक्षा दिलाने मे वैसे ही उन्हे अनेक संकटों का सामना करना पड़ रहा है, ऊपर से शहर की सड़को पर बेलगाम दौड़ते भारी वाहनों ने हर अभिभावक को मानसिक तौर से परेशान कर दिया है, वही चिंता में डूबे रहते है तब तक उनका बच्चा स्कूल से सकुशल घर वापिस नही आ जाता उन्हें इतनी उलझन रहती है जिसें शब्दों मे व्यक्त करना असम्भव है, इस संबंध में नगरवासियों का का कहना है कि यह स्वाभाविक है बात है कि यहां चलते वाली फैक्ट्रियों व नगर में व्यापार के चलते भारी ट्रकों का इस्तेमाल होना आम बात है परन्तु यह भी देखना जरूरी है कि कही इनका नो एन्ट्री समय में प्रवेश तो नही हो रहा है? मगर प्रशासन द्वारा नगर में लागू की गई नो एन्ट्री की ओर ध्यान ही नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा बना हुआ है।

वर्षो पुराने बिजली तारों के भरोसे चल रही व्यवस्थाओं बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ सडूमर । जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नही किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जप्ती तो की जाती है, मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूली का तरीका अपनाया जाता है। अब सबाल यह उठाता है कि क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवो के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खीची गई है उनका वर्षो से सुधार कार्य नही किये जाने तथा उनका रख रखाब नही होने के कारण जहां तारों ने झूला का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण चिंगारी छोडते है जिसके चलते जहां गांवों में किसी बड़ी घटना घटित होने की आंशका बनी रहती है? वही दूसरी ओर अनेको बार तो देखा जाता है कि किसानों के खेतो से निकली हुई बिजली लाईनों से निकलने वाली चिंगारी के चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले भी जलकर खाक होने से नही बच पाती है, इस स्थिति में शायद ही बिजली विभाग द्वारा किसी किसान को आज तक कोई सहयोग के रूप में राशि उपलब्ध कराई गई हो? मगर सिर्फ किसान द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली बिलों की बसूली के नाम पर जरूर किसानों को परेशान किया जाता रहता है, इतना ही नही गांवों में निकली हुई बिजली लाईन की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि आये दिन उसमें चिंगारी देखने मिलती। मगर इस ओर न तो बिजली विभाग ध्यान देता है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिसके चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के किसानों को हर वर्ष भारी क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है।

प्रतियोगिता के दूसरे मैच में मथुरा टीम द्वारा जलगांव को पराजित कर सेमीफाईनल में बनाई जगह, आज दिल्ली से होगा मुकाबला

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के पुराने कालेज खेल मैदान पर आयोजित हो रही अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता चेम्पियन ट्राफी 2026 में दूसरा लीक मैच उत्तर प्रदेश मथुरा व महाराष्ट्र जलगांव की टीमों के बीच खेला गया। सुबह 10 बजे अतिथियों द्वारा टांस उछला गया तो टांस जीतकर जलगांव टीम द्वारा पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लेते हुये बल्लेबाजी के लिये मथुरा टीम को आमंत्रित किया गया था। इस तरह मथुरा टीम द्वारा पहले खेलते हुये अपने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 144 रन बनाये गये थें। वही मथुरा टीम द्वारा जलगांव टीम को जीत के लिये दिये गये 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिये जब टीम मैदान पर उतरी तो वही मात्र 105 रन बना पाई और 39 रनों से हारते हुये प्रतियोगिता से बाहर हो गई। वही प्रतियोगिता के दूसरे मैच में अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करने वाले मथुरा टीम के राहुल जिन्होने ने बल्लेबाजी करते हुये 42 गेंटों में 9 चौका व 1 सिक्स मारते हुये अपनी टीम के लिये 58 रनों का योगदान दिये जाने पर मौन आफ द मैच से पुरूस्कृत किया गया। वही बताया जाता है कि प्रतियोगिता में पूल ए का पहला सेमी फाईनल मैच आज जलगांव को पराजित करने वाली उत्तर प्रदेश मथुरा व देश की राजधानी दिल्ली टीम के बीच खेला जावेगा। ज्ञात हो यह यह प्रतियोगिता लाईन्स क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में विधायक कप आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विजेता रहने वाली टीम को 2 लाख रूपया नगदी व कप क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा प्रदान किया जावेगा। वही उप विजेता रहने वाली टीम द्वारा 1 लाख रूपया नगद व कप योगेन्द्र दिनेश कुमार मालपानी द्वारा प्रदान किया जावेगा। वही प्रतियोगिता में मैन आफ सीरीज भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा द्वारा 21 हजार रूपया नगद तो दूसरी ओर प्रत्येक मैच में मैन आफ द मैच प्रतिदिन 21 सौ रूपया अन्नू शर्मा द्वारा प्रदान किये जावेगे। वही बताया जाता है कि प्रतियोगिता में अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलालियों के लिये स्व. कमल की स्मृति में परिजनों द्वारा पुरूस्कार प्रदान किये जावेगे।

मवेशियों की सार में पानी भरने की बात पर महिला से मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कुडारी के सेमराटोला निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं अपने लडके कामता प्रसाद के साथ खेत में बने मकान में रहती हूँ। हमारे खेत से वीरेन्द्र पटेल का खेत लगा हुआ है। बीते हुये दिवस जब प्रार्थिया अपने गाय बैलो को बाहर बाँध रही थी तभी वीरेन्द्र पटेल अपने खेत में सिंचाई कर रहा था जिसका सिंचाई का पानी प्रार्थिया के गाय बैलो की सार में आ रहा था। इसी बात को लेकर प्रार्थिया द्वारा वीरेन्द्र से कहा कि बेटा सिंचाई का पानी गाय की सार में आ रहा है गाय बैल गीले होने के कारण ठिठुर जायेगे पानी का पाईप थोडा टेडा कर लो। इसी बात को लेकर वीरेन्द्र द्वारा प्रार्थिया को गंदी गंदी गालिया देते हुये पत्थर से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय गाडरवारा जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)

रूकमणी उर्फ आशारानी------ आवेदक

विरूद्व

राजेश पवार बगैरह ------अनावेदकगण

रा. मा. क्र. - 157 व 121 वर्ष:- 2025-26

पेशी दिनांक- 21/01/2026

आदेश दिनांक- 05/01/2026

आम जनता को सूचना बातत्

इस न्यायालय में आवेदक रूकमणी उर्फ आशारानी नीखरा पत्नी रमेशचंद नीखरा ने अनावेदक राजेश पवार बगैरह के विरूद्व रा. प्र. क्र. 157/ब/ 121 वर्ष 2025 2026 रिकार्ड दुरूस्ती करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें अनावेदक - श्रीमति सरिता राय पत्नी सुरेशचंद राय, अमित राय आत्मज सुरेशचंद राय, आकांक्षा राय पुत्री सुरेशचंद राय, साक्षी राय पुत्री सुरेशचंद राय, सभी निवासी कमला नेहरू थाने के पास वैशाली नगर भोपाल, तहसील व जिला भोपाल (म. प्र.) एवं रजनीश चंद राय आत्मज स्व. श्री शंकरलाल राय, गुरूप्रीत आत्मज स्व. श्री इंद्रमोहन सिंह नागपाल, दोनो निवासी गाडरवारा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) को इस इश्तहार प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप पेशी दिनांक 21/01/2026 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिसको समस्त तथ्यों की जानकारी हो, उपस्थित रहे। आपक अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्व एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण कर दिया जावेगा। नोट- यदि पेशी दिनांक को न्यायालय में अवकाश रहता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर होगी । तिथि उपरांत किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा ।

गाडरवारा

दिनांक- 08.01.2026

शील

तहसीलदार
गाडरवारा

कन्या किशोर कौशल विकास प्रशिक्षण के दौरान सह परीक्षा पर की गई चर्चा

हरिभूमि न्यूज/चीचली। समीपस्थ हायर सेकंडरी स्कूल रायपुर में बीते हुये दिवस गायत्री परिवार द्वारा संचालित एक दिवसीय कन्या किशोर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ वीणापाणी मां सरस्वती व मां गायत्री पूजन वंदन के साथ हुआ। वही मौजूद छात्र छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। इस मौके पर प्रशिक्षण प्रभारी विनोद श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण की उपयोगिता तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के विविध कौशल विकास डिप्लोमा कोर्सेज के संबंध में जरूरी जानकारियों से अवगत कराया गया तथा रिकाल मैथड को परिभाषित किया। इसी प्रकार से नशा उन्मूलन प्रभारी अवधेश कौरव ने नशा से दूरी बहुत जरूरी के साथ योग का बुद्धि विकास में योगदान और तनाव प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए प्रणायाम की विधियों से अवगत कराया गया। जिला समन्वयक अविनाश बेलाकर ने गायत्री मंत्र का महत्व, सद बुद्धि बढ़ाने, याददास बढ़ाने में उपयोग करने पर जोर दिया। परिव्राजक मूलचंद पटेल द्वारा प्रस्तुत प्रेरक गीत आदत बुरी सुधार लो वश हो गया भजन के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया गया। वही किशोरावस्था के समस्त विद्यार्थियों को अत्यंत प्रभावी तरीके से व्यक्तित्व विकास की शपथ दिलाई गई । नारी शक्ति जागरण प्रभारी बहिन मनोरमा श्रीवास्तव द्वारा मोबाइल से सावधान तथा अभिशाप या वरदान पर छात्र छात्राओं को जागरूक किया। इस मौके पर अतिथि विद्वान प्रोफेसर पी एस कौरव द्वारा परीक्षा की तैयारी व सीखने में अभ्यास बहुत जरूरी के आलवा नया सीखने ,जिज्ञासु प्रवृति और नित संघर्ष के विविध उदाहरण प्रस्तुत कर सफल जीवन जीने के सूत्र बताए गए। वही प्रोफेसर आर के कौरव द्वारा अनुशासन विद्यार्थियों की शान, विद्यार्थी जीवन का एक ही धर्म शिक्षा प्राप्त करना, नशा नाश की जड़ है एवं परीक्षा की तैयारी कैसे करें सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसी प्रकार से गायत्री परिवार करेली से पधारे हुये मास्टर ट्रेनर रामनारायण कौरव द्वारा परीक्षा की तैयारी में व्याप्त भय और कठिनाइयां का निदान तथा नशा मुक्ति अभियान के बैनर तले किशोरावस्था में नशे से कैसे सावधानी रखना है पर अपने विचार व्यक्त किये गये।

मकर संक्रांति के दूसरे दिन भी नर्मदा तटों पर उमड़ते हुये देखी गई भक्तों की भीड़, अनेक जगहों पर लगे मेलों में उमड़ा जन सैलाब

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। हर वर्ष संक्राति के महा पर्व के चलते क्षेत्र के नर्मदा तटो पर जिस प्रकार से भीड़ उमड़ते हुये देखी जाती है। उसके चलते संपूर्ण क्षेत्र में धर्म की गंगा बहने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार से इस वर्ष भी मकर संक्राति के मौके पर जहां क्षेत्र के नर्मदा तटो पर भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। इस वर्ष मकर संक्रति का पर्व दो दिन होने के क्षेत्र के नर्मदा तटों पर 14 जनवरी बुधवार के दिन भी मेला लगा रहा और नर्मदा जी के तटों पर भारी भीड़ देखने मिली तो वही दूसरे दिन यानि की कल गुरूवार 15 जनवरी को भी मकर संक्राति पर नर्मदा स्नान का विशेष पर्व होने के चलते क्षेत्र के नर्मदा घाटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। क्योंकि मकर संक्रांति का विशेष पर्व 15 जनवरी को कुछ समय तक के लिये होने के चलते लोगों ने दूसरे दिवस पूर्ण खुशी के महौल में मकर संक्रांति अपने परिवार के लोगों के साथ मनाते हुये क्षेत्र में लगने वाले मेलों में पहुंचकर आनंद

लिया। इस प्रकार से इस वर्ष लगातार दो दिन मकर संक्राति का पर्व होने के चलते नर्मदा तटों सहित अन्य जगहों पर दो दिन तक मेला लगे रहे, जिसके चलते क्षेत्र के लोगों ने इन मेलों में पहुंचकर जहां खूब मस्ती की गई। वही दूसरी ओर बुधवार को परम्परागत मंगर संक्रांति होने के चलते भीड़ रही तो दूसरी ओर 15 जनवरी गुरूवार को मकर सक्रांति पर कुछ समय तक के लिये ही विशेष पर्व होने के चलते इस तरह दोनों ही दिनों को मकर संक्रति का पर्व होने के कारण क्षेत्र के प्रमुख माने जाने वाले झिकोली, शोकलपुर, ककराघाट, भटेरा, कोठिया, घघरौला खर्द, लिंगा खुर्द सहित अन्य नर्मदा तटों पर भी भक्तों की भीड़ दिन भर ही उमड़ते हुये देखी गई जिसके चलते हजारों लोगों ने नर्मदा पहुंचते हुये जहां माँ नर्मदा जी के निर्मल नीर में आस्था की डुबकी लगाई गई। वही दूसरी ओर माँ नर्मदा का पूजन अर्चन करते हुये क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की गई। वही समीपस्थ झिकोली नर्मदा घाट पर लगातार दो दिन तक चले हुये मेले में लगातार जन सैलाब उमड़ते हुये देख गया। इस प्रकार से झिकोली के दोनों ओर लगे हुये मेले का आकर्षण अनोखा ही देखने मिलता है। क्योंकि जिले की बार्डर पर लगने वाले इस मेले की सुरक्षा का दायित्व जहां उस पार रायसेन जिले की पुलिस का होता है, वही इस पार नरसिंहपुर जिले की पुलिस का रहता है। इस प्रकार से जिले की बार्डर पर लगने वाले इस मेला को लेकर प्रशासन द्वारा विशेष सुरक्षा व्यवस्था बनाई जाती है।

वन्यजीवों पर भारी रफ्तार, कारोपानी में काला हिरण सड़क हादसे का शिकार

अमरकंटक—जबलपुर नेशनल हाईवे पर स्थित कारोपानी कृष्ण मृग (काला हिरण) संरक्षित क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है।

डिंडौरी न्यूज।

गुरुवार को कारोपानी के समीप तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क पार कर रही विशेष संरक्षित प्रजाति की मादा काले हिरण को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। बताया जा रहा है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि कारोपानी संरक्षित क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाओं के कारण काले हिरणों की मौत हो रही है। इसके बावजूद न तो शासन और न ही प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

गौरतलब है कि कारोपानी क्षेत्र को कृष्ण मृग संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है, जहां बड़ी संख्या में दुर्लभ और विलुप्त होती प्रजाति के काले हिरण निवास करते हैं। इसके बावजूद नेशनल हाईवे पर न तो गति सीमा के संकेतक लगाए गए हैं, न ही स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड या रफ्तार नियंत्रित करने की कोई प्रभावी व्यवस्था मौजूद है। तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही सीधे तौर पर वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा बनती जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हाईवे पर गति नियंत्रण, साइन बोर्ड, फ्लैशर लाइट, अंडरपास या फेंसिंग जैसी व्यवस्थाएं नहीं की गईं, तो आने वाले समय में कई और बेजुबान वन्यजीव सड़क हादसों का शिकार होते रहेंगे।लगातार हो रही काले हिरणों की मौत ने शासन-प्रशासन और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। अब देखने वाली बात होगी कि इस घटना के बाद जिम्मेदार विभाग कब जागते हैं और संरक्षित वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाते हैं या फिर यह मौतें यूं ही अनदेखी होती रहेंगी।

खबर संक्षेप

झोला-छाप चिकित्सकों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

डिंडौरी । जिले में अवैध रूप से चिकित्सा कार्य कर रहे झोला-छाप चिकित्सकों के विरुद्ध गुरुवार को प्रशासन द्वारा सघन अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की गई। इसी क्रम में करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम रुसा में संचालित एक निजी क्लीनिक की जांच की गई।जांच के दौरान क्लीनिक संचालक अरुण चन्द्र बाला की शैक्षणिक योग्यता होम्योपैथी पाई गई, जबकि उनके क्लीनिक से एलोपैथिक दवाएं बरामद की गईं। नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाए जाने पर एलोपैथिक दवाओं को जप्त करते हुए संबंधित क्लीनिक को सील कर दिया गया तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई।यह कार्रवाई नायब तहसीलदार करंजिया शैलेश गौर के नेतृत्व में हल्का पटवारी विजय श्रीवास्तव, नंदकुमार परस्ते, शैलेन्द्र सिंह मार्को, कोटवार वीरेंद्र पड़वार एवं मेडिकल विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

अज्ञात लोगों ने लोमड़ी पर हमला कर किया घायल

शहपुरा - शहपुरा नगर में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब अचानक एक जंगली लोमड़ी रिहायशी क्षेत्र में घुस आई। जानकारी के अनुसार, नगर में घुसी लोमड़ी को देखकर कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने घबराहट या अज्ञानता में उस पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मारपीट के कारण लोमड़ी का एक पैर टूट गया, वहीं उसके दांत भी टूटकर बाहर आ गए। घटना की सूचना मिलते ही शहपुरा नगर के पशु प्रेमी अमित रजक ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए तत्काल घायल लोमड़ी को सुरक्षित पशु चिकित्सालय शाहपुरा पहुंचाया। वहां मौजूद पशु चिकित्सकों द्वारा लोमड़ी का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वन विभाग को भी इसकी सूचना दी गई। स्थानीय नागरिकों और पशु प्रेमियों का कहना है कि जंगली जानवर यदि भटककर नगर क्षेत्र में प्रवेश कर जाएं, तो उनके साथ हिंसा करना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में वन विभाग की जिम्मेदारी बनती है कि वह तत्परता दिखाते हुए निगरानी करे और समय रहते रेस्क्यू अभियान चलाकर जानवरों को सुरक्षित उनके प्राकृतिक आवास तक पहुंचाए। यह घटना न सिर्फ मानवता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि जंगली जीवों के संरक्षण और जन-जागरूकता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। नागरिकों से अपील की गई है कि ऐसी स्थिति में हिंसा के बजाय तुरंत प्रशासन या वन विभाग को सूचना दें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

डिंडौरी । कलेक्टर सभाकक्ष में गुरुवार को कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनोज पाण्डेय, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्याम सिंह सिंगौर, जिला टीकाकरण अधिकारी राजकुमार डोंगरे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2 जयश्री मरावी, जिला क्षय अधिकारी मनोज उरैती सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के समस्त स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक संचालित प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में एएनसी पंजीयन, सीवियर एनीमिया नियंत्रण, पीआईएच प्रबंधन, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास केंद्र, परिवार कल्याण, आयुष्मान भारत योजना, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, सिकल सेल एनीमिया एवं टीबी नियंत्रण कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की गई।जिन विकासखंडों में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, वहां के खंड चिकित्सा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। साथ ही सभी स्वास्थ्य योजनाओं में लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश भी दिए गए।

जीपीएम पेंड्रा छत्तीसगढ़ को वाईएफसी मंडला ने 33 रनों से हराया

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में यंग स्टार स्पोर्ट क्लब अमरपुर के तत्वावधान में स्व. लोकमन साहू खेल मैदान में सांसद कप लेदर बॉल अमरपुर प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित किया गया हैं। जिसके तहत गुरुवार को जीपीएम पेंड्रा छत्तीसगढ़ एवं वाईएफसी मंडला के मध्य मैच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वाईएफसी मंडला ने अपने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 210 रन बनाकर जीपीएम पेंड्रा छत्तीसगढ़ के सामने 211 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अपने टीम के लिए बल्लेबाजी करते हुए वाईएफसी मंडला के बल्लेबाज आदिल खान ने 22 गेंदों पर 8 चौके व 2 छक्के की मदद से 47 रनों की पारी खेली। इसके अलावा धर्मेन्द्र ने 19 गेंदों पर 3 चौके व 3 छक्के की मदद से 35 रन, पुष्कर ने 11 गेंदों पर 2 चौके व 3 छक्के की मदद से 30 रन वहीं पर अभय कोरी ने 22 गेंदों पर 24 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीपीएम पेंड्रा की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए मिराज खान और आर्यन ने 2-2 विकेट लिए वही पर मनजीत कुमार, जतिन खान व सचिन विश्वकर्मा ने 1-1 विकेट अपने नाम किए। जीपीएम पेंड्रा ने 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी और 18.2 ओवर में 177 रनों पर ऑल आउट हो गई। जीपीएम पेंड्रा ओर से ओपनिंग करने उतरे आकाश कुमार 7 रन एवं स्वप्निल प्रकाश 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वहीं वन डाउन करने उतरे मिराज खान संभल कर खेलते हुए 28 रन बनाएं, वहीं पर 7 नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे अभिजीत मंडल ने 28 गेंदों पर 4 चौके व 7 छक्कों की मदद से 70 रनों की धुंआधार अर्धशतकीय पारी खेली परन्तु अपने टीम को जीत नहीं दिला सके। वाईएफसी मंडला की तरफ से गेंदबाजी करते हुए पुष्कर ने 3 विकेट एवं अन्ना नंदा और अलतामश खान ने 2-2 विकेट लिए हासिल किए वहीं पर अमन चिचाम, कृष्णा, धर्मेन्द्र ने 1-1 विकेट अपने नाम किए। इस जीत के साथ वाईएफसी मंडला ने अगले चक्र में प्रवेश किया। मैच का आंखों हाल के. के. उसराठे व प्रदीप बनवासी द्वारा सुनाया गया। ऑनलाइन स्कोरिंग शिवम वनवासी द्वारा किया गया।

विकासखंडों में खेलो एमपी यूथ गेम्स की चयन स्पर्धाएं

शहपुरा

खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में चयन स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 14 एवं 15 जनवरी 2026 को कलेक्ट्रेट इंडोर खेल मैदान तथा बिरसा मुंडा स्टेडियम, पुलिस लाइन में विकासखंड स्तरीय चयन प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं।इन प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस, योगासन, वॉलीबॉल, क्रिकेट, पिट्टू, रस्साकशी एवं शतरंज सहित विभिन्न खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयनित खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान ने बताया कि सभी विकासखंडों में 14 से 16 जनवरी 2026 तक चयन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया है। इनमें चयनित खिलाड़ी जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां से चुने गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संभाग एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी [https://gms.sport-slampg25.com](https://gms.sportslampg25.com) लिंक के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकेंगे।विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धाओं में लगभग 382 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में चेतराम अहिरवार, कु. आरती सोंधिया, राजेश पाल, जर्नादन बोरकर, मोहम्मद आयूब खान, श्रीमती संतोषी यादव, रोशन बाबू झारिया, राजकुमार धुर्वे, नीरज बच्चैहा एवं अजीत धुर्वे का विशेष योगदान रहा।

मां नर्मदा घाट कुटरई मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

शहपुरा

\डिंडोरी जिले के शहपुरा– बिछिया क्षेत्र अंतर्गत कुटरई स्थित मां नर्मदा और सिलगी नदी के पावन संगम घाट पर आयोजित मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मकर संक्रांति पर्व के दूसरे दिन भी दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम घाट पहुंचे और मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई।कुटरई घाट का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व होने के कारण यहां हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर विशेष भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालुओं ने स्नान के पश्चात पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। घाट परिसर एवं मेला क्षेत्र में जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा, वहीं यातायात व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए। प्रशासन की सतर्कता के चलते मेला शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न होता नजर आया।

अधिवक्ता सम्यक जैन के पत्र के बाद हरकत में पीडब्ल्यूडी

फर्जी निविदा दस्तावेज़ों के उपयोग पर एफआईआर की तैयारी

डिंडोरी ।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की निविदा प्रक्रिया में कूटरचित दस्तावेज़ों के उपयोग का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। विभागीय जांच में यह तथ्य स्पष्ट रूप से स्थापित हो चुका है कि ठेकेदार सुरेंद्र प्रसाद ओझा द्वारा निविदा प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत Annual Turnover Certificate एवं Balance Sheet फर्जी एवं जालसाजी युक्त थे, जिनका उपयोग ठेका प्राप्त करने के प्रयास के तहत किया गया था।इसके बावजूद अब तक आपराधिक प्रकरण दर्ज न होना पूरे मामले को और अधिक संदेहास्पद बनाता है। प्रकरण में अब कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, डिंडोरी द्वारा कोतवाली डिंडोरी थाना प्रभारी को पत्र लिखकर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 सहित अन्य गंभीर धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह कार्रवाई मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, जबलपुर परिक्षेत्र द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में की जा रही है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट ने किया फर्जीवाड़े का खुलासा- जांच के दौरान संबंधित चार्टर्ड अकाउंटेंट/प्राधिकृत व्यक्ति ने लिखित रूप में स्पष्ट किया कि जिन दस्तावेज़ों का उपयोग निविदा प्रक्रिया में किया गया, वे न तो उनके कार्यालय से जारी हुए थे और न ही उन पर उनके हस्ताक्षर अथवा अधिकृत सील मौजूद थी। इससे यह प्रमाणित होता है कि निविदा प्रक्रिया में सीधे तौर पर धोखाधड़ी, कूटरचना एवं कूटरचित दस्तावेज़ों का उपयोग किया गया।सबसे अहम तथ्य यह है कि विभाग स्वयं इस निष्कर्ष पर पहुँच चुका है कि निविदा प्रक्रिया में प्रस्तुत दस्तावेज़ फर्जी थे। इसी आधार पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध पंजीयन निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब कूटरचना विभागीय स्तर पर प्रमाणित हो चुकी है, तो आपराधिक मामला दर्ज करने में अब तक देरी क्यों की गई?उल्लेखनीय है कि अधिवक्ता सम्यक जैन ने 7 जनवरी 2026 को ही मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, जबलपुर परिक्षेत्र को पत्र लिखकर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने पत्र में स्पष्ट किया था कि विभागीय आदेशों से यह तथ्य अभिलिखित एवं स्थापित हो चुका है कि निविदा प्रक्रिया में उपयोग किए गए दस्तावेज़ कूटरचित हैं, ऐसे में एफआईआर दर्ज न करना कर्तव्य में गंभीर लापरवाही ओर संकेत करता है।

विकास निधि का दुरुपयोग: ग्राम पंचायत राखी माल में मोबाइल रिचार्ज के नाम पर राशि आहरण

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत राखी माल में पंचायत व्यवस्था की गंभीर अनियमितता सामने आई है। आरोप है कि विकास कार्यों के लिए स्वीकृत शासकीय राशि का उपयोग सरपंच के निजी मोबाइल रिचार्ज में किया गया, जिससे पंचायत में वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।प्राप्त दस्तावेजी जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत राखी माल में विकास मद से 2900 की राशि सरपंच के मोबाइल रिचार्ज के नाम पर बिल प्रस्तुत कर आहरित की गई। जबकि शासन द्वारा पंचायतों को उपलब्ध कराई जाने वाली राशि का उद्देश्य सड़क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास होता है। ऐसे में निजी उपयोग के लिए राशि निकाले जाने को नियमों का खुला उल्लंघन माना जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच की जाए, तो अन्य पंचायतों में भी इसी तरह की अनियमितताएं उजागर हो सकती हैं। मामले में पंचायत सचिव और सरपंच की भूमिका को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।यह मामला केवल आर्थिक अनियमितता तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राम पंचायतों में जवाबदेही और पारदर्शी कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। अब यह देखना अहम होगा कि प्रकरण सामने आने के बाद प्रशासन और संबंधित अधिकारी किस स्तर तक जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करते हैं, या यह मामला भी पूर्व की तरह औपचारिकताओं में ही सिमट कर रह जाएगा।ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मकर संक्रांति पर जेंडर कैंपेन “नई चेतना 4.0” के तहत तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम संपन्न

डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मकर संक्रांति के अवसर पर जेंडर कैंपेन “नई चेतना 4.0” के तहत 13 से 15 जनवरी 2026 तक स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए तीन दिवसीय विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशू चौधरी के नेतृत्व में जिले के समस्त विकासखंडों में आयोजित किया गया।महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने की दिशा में प्रथम दिवस “हौसलों की उड़ान” कार्यक्रम के अंतर्गत स्व सहायता समूहों से जुड़ी लखपति दीदियों का संवाद कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान दीदियों ने आजीविका मिशन से जुड़ने के पश्चात अपने जीवन एवं परिवार में आए सकारात्मक बदलावों को साझा किया तथा अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया।

दूसरे दिन मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग महोत्सव एवं तिल-गुड़ बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पतंगबाजी कर अपने बचपन की स्मृतियों को ताजा किया। कार्यक्रम के दौरान नर्मदा तट पर संक्रांति पर्व का पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजन किया गया तथा पर्व के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर चर्चा की गई।अभियान के अंतिम दिन 15 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आंखों की जांच की गई। कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।तीन दिवसीय इस आयोजन ने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सहभागिता एवं स्वास्थ्य जागरूकता को नई दिशा प्रदान की।

खबर संक्षेप

दिगम्बर जैन समाज के युवाओं ने की अतिशय क्षेत्र की पद यात्रा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस मकर संक्रांति के अवसर पर आर्यिका बृषभमति माता जी की स्मृति में लगातार पांचवें वर्ष पैदल यात्रा करते हुए तेंदूखेड़ा दिगम्बर जैन समाज के युवाओं द्वारा तीर्थ स्थल श्री शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र वीना बारहा पहुंचे। और सभी युवाओं ने शांति नाथ जी भगवान का अभिषेक पूजन विधान एवं सहभोज में भाग लिया।इस मौके पर तीर्थ क्षेत्र कमेटी और तेंदूखेड़ा दिगम्बर जैन समाज द्वारा सभी पद यात्रियों का सम्मान किया गया। पैदल यात्रा करने जाने वालों में रत्नेश जैन छोटू कुंतल सेठ विपिन स्वदेशी संदीप सिंघई प्रतीक स्वदेशी विपुल स्वदेशी मुकेश बजाज अनिल स्वदेशी रितेश जैन दीपेश जैन सिंगपुर अनुराग जैन आशीष जैन अमन सेठ गोल्डी विवेक मोदी सुनील मरेठी प्रमुख रुप से शामिल थे।

गोविंद राय का निधन

गोटेगांव - विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित नागरिक शिव प्रिंटिंग प्रेस कलारी मोहल्ला निवासी हरि ओम राय एवं शंकर राय के परम पूज्य पिताश्री से प्रिंटिंग प्रेस वालों गोविंद राय जी का आकस्मिक निधन हो गया है,आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे,आपके निधन का समाचार प्राप्त होतेही परिवार जनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया,अंतिम संस्कार शव यात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय मुक्तिधाम में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थित जनों ने श्री रायजी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्तकर शोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की।

अमृत सरोवर निर्माण में गड़बड़ी का मामला

लिघारी व पस्ताना सरपंच सहित अन्य पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं बनाकर ग्रामीणों को लाभान्वित करने हेतु प्रयासरत है लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के कारण भ्रष्टाचार कर योजनाओं को मिट्टी पलीत कर सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का काम करते है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लिघारी व पस्ताना से सामने आया जहां पर वित्तीय अनियमितता पर सरपंच सहित अन्य पर मामला पंजीबद्ध कर जांच की जा रही है। अब देखना है कि दोषियों पर क्या कार्रवाई की जाती है। कटकुही मे बनाए गए अमृत सरोवर निर्माण के दौरान वन विभाग द्वारा दी गई। स्वीकृति के नियमों का पालन भी नही किया गया और वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी उक्त ओर ध्यान नही दिया गया जो वन विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही है।

मामला इस प्रकार

जनपद पंचायत नरसिंहपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत लिघारी एवं पस्ताना में अमृत सरोवर निर्माण के नाम पर हुए व्यापक भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की गई। ग्राम पंचायत द्वारा ठेकेदार से कार्य कराने के बाद भुगतान की राशि कूटरचित दस्तावेजों के जरिए हड़पने के मामले में मुंगवानी पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। इस घोटाले में सरपंच-सचिव से लेकर जनपद के उपयंत्री और सहायक यंत्री सहित मटेरियल सप्लायर तक को आरोपी बनाया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। अब देखना होगा कि पुलिस की जांच में क्या सामने आता है। निर्माण कार्य के दौरान जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों द्वारा वन विभाग द्वारा दी गई स्वीकृति पर अमल नहीं किया गया। जिस पर वन विभाग के कर्मचारियों पर भी सवाल उत्पन्न हो रहे है।

अधिकारियों की भी मिली भगत

पुलिस के अनुसार यह पूरा मामला करीब 50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का है। ठेकेदार शशिकांत सिरबैया ने इन पंचायतों में अमृत सरोवर का निर्माण कार्य पूर्ण कराया था, लेकिन भुगतान के समय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मिलीभगत कर ली। ठेकेदार को राशि देने के बजाय फर्जी बिल और दस्तावेजों के आधार पर शासन की राशि का आहरण कर स्वयं आपस में बांट लिया। लिघारी पंचायत के गांव जेरा और कटकुही में हुए निर्माण कार्य में 31 लाख रुपए की लागत आई थी। ठेकेदार की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 371/25 दर्ज किया है। इसमें सरपंच मथुरा प्रसाद, सचिव तीरथ डेहरिया, रोजगार सहायक नीलेश मेहरा, उपयंत्री के. के. अग्रवाल, सहायक यंत्री संजय मिश्रा और मटेरियल सप्लायर प्रदीप साहू को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर धारा 420, 409, 467, 468, 471 एवं भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ है।

जांच में जुटी पुलिस

पस्ताना पंचायत के ग्राम पिड़रई में दूबा और भुजिया नाला पर अमृत सरोवर का कार्य कराया गया था। यहाँ ठेकेदार का 19 लाख रुपए का भुगतान रोककर कूट रचित तरीके से राशि निकाल ली गई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 372/25 के तहत सरपंच संतोष अहिरवार, सचिव अनवर खान, उपयंत्री शिवराज सिंह कौरव, सहायक यंत्री संजय मिश्रा और सप्लायर प्रदीप साहू के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। इस बड़े भ्रष्टाचार की जांच एसडीओपी गोटेगांव मनीष त्रिपाठी द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर 2025 को मामला दर्ज होने के बाद अब साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। कूटरचित दस्तावेजों और बैंक लेन-देन की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद से निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार करने वाले अन्य पंचायतों के अमले में भी हड़कंप की स्थिति है।

वन विभाग पर भी संदेह

ग्राम पंचायत लिघारी के ग्राम कटकुही में बनाए गए अमृत सरोबर निर्माण कार्य के लिए पंचायत विभाग द्वारा वन विभाग से स्वीकृति ली गई थी। जिसमे वन मण्डल अधिकारी द्वारा स्वीकृति में स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि निर्माण कार्य के दौरान वन संपदा पत्थर, मिट्टी, पेड़ों की कटाई व ब्लाटिंग तथा अन्य विस्फोटकों का उपयोग नही किया जावेगा। वही ग्राम पंचायत लिघारी द्वारा लगाए गए बिलों मे ब्लास्टिंग का बिल भी लगाया गया है जिससे वन विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों पर भी सवाल उत्पन्न हो रहे है। यदि उक्त निर्माण कार्य में ब्लास्टिंग कराया गया था तो वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा कार्रवाई क्यों नही की गई। अब देखना हो गया कि जांच में क्या सामने आता है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

उपभोक्ताओं को समाधान योजना का मिल रहा है लाभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर व्रत के अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्वत और कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले की समाधान योजना 2025 - 2026 अंतर्गत क्षेत्र की जनता से पुनः अपील की 31 जनवरी तक अधिक से अधिक उपभोक्ता इस योजना की छूट का लाभ उठाएं। नरसिंहपुर संचा संधा संभाग अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं में क्षेत्र आने वाले सभी गांव के कुल उपभोक्ताओं की संख्या 72202 हे जिसकी राशि 2728 करोड़ रुपए बकाया हैं जिसमें अधिभार में 458 करोड़ रुपए की छूट मिल रही है ये ऐसे उपभोक्ता हैं जीरो से पांच सो पांच सो से हजार हजार से पांच हजार ओर दस हजार रुपए से 2 लाख रुपए तक के बकायदार है। संभागीय कार्यालय नरसिंहपुर के कार्य पालन अभियंता विवेक जशेले ने डिवीजन के सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है 31 जनवरी तक प्रथम चरण में कि अधिक से अधिक उपभोक्ता योजना का लाभ लेकर शत प्रतिशत सरचार्ज का लाभ लेवे। अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव और कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले ने सभी वितरण केन्द्र प्रभारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि समाधान योजना में प्रत्येक पंचायत ग्रामों में शिविर लगाए प्रचार प्रसार कराए ओर जीरो से सो सो से पांच सो ओर दस हजार से ऊपर बकायेदार एक लाख दो लाख रूपए से अधिक राशि के बकायेदार में कोई भी वितरण केन्द्र प्रभारी हिला हवाली नहीं करे और योजना का लाभ प्रत्येक उपभोक्ताओं को लाभ प्राप्त करना सुनिश्चित करें

नर्मदा घाटों पर की गई साफ सफाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्री श्याम किशोर सेवा समिति के द्वारा सतत नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है और इसी श्रृंखला में समिति द्वारा मां नर्मदा के घाटों पर नर्मदा स्वच्छता और जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत घाट पर आसपास साफ सफाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया जा रहा है जिसमें समिति के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भी सहयोग मिल रहा है जिसमें आम जनों के साथ प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हो रहे हैं जिसमें घाट पर से डिस्पोजेबल पन्नियां रैपर्स कचरा के साथ-साथ शराब की बोतले भी नर्मदा तट पर पड़ी हुई मिल रही है, समेट कर एक तरफ किया गया और साथ ही लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की मुहिम की गई जिसमें कुछ ग्रामीणों ने भी अपने-अपने वक्तव्य कार्यक्रम के द्वारा लोगों को दिए समिति के महासचिव विष्णु विश्वकर्मा ने समस्त श्रद्धालुओं को अपने शब्दों में समझाएं इस दी और उनसे आग्रह किया कि अब इस प्रकार से घाट पर प्लास्टिक की कोई भी सामग्री ना डालें और नर्मदा तट पर शराब खोरी ना करें क्योंकि यह हमारी मां नर्मदा का अपमान है और इस कारण अन्य श्रद्धालुओं को पूजा पाठ करने स्नान करने में तकलीफ हो रही है।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के ग्राम खैरी नाका निवासी प्रमोद मेहरा उम्र 30 वर्ष ने अपने ही घर पर सुबह तकरीबन 10 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि बीते दो दिन पूर्व पत्नि बच्चों को लेकर मायके चली गई जिसे लेने के लिए गया हुआ था लेकिन पत्नि ने आने से मना कर दिया और बच्चों को भेजने से भी मना कर दिया। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि इस दौरान पत्नी के भाई और परिजनों ने युवक के साथ मारपीट भी की। मां का कहना है कि युवक बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंतित था और उन्हें साथ लाना चाहता था, लेकिन पत्नी ने आने से मना करते हुए कथित तौर पर मर जाओ जैसे शब्द कहे, जिससे वह बेहद आहत हो गया। बताया जा रहा है कि मायके से लौटने के बाद युवक ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने पत्नी और ससुराल पक्ष का जिक्र करते हुए आरोप लगाए, और उस वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसके बाद उसने खैरी स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। घटना के बाद परिजन युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का परीक्षण करा परिजनों को सौंप दी।

युवक ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज निवासी युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिल यादव पिता विनोद यादव उम्र 18 वर्ष निवासी सुपला थाना स्टेशनगंज द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

मोटरसाइकिल चोर को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अजय सिंह यादव गाडरवारा के न्यायालय द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी गोलू उर्फ भैयाजी पिता मंगल कौरव, आयु 25 वर्ष, निवासी ग्राम तेंदूखेडा, थाना चीचली जिला नरसिंहपुर (म.प्र.), को दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा-303(2) में 01 वर्ष का सश्रम कारावास से दंडित किया गया।

कलेक्टर व एसपी ने किया बरमान मेले का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने गुरूवार को मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले ऐतिहासिक बरमान मेले का निरीक्षण किया। उन्होंने सम्पूर्ण मेले का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं व नागरिकों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए बरमान के नर्मदा नदी घाट, दुकानों, अस्थाई पुलिस थाना सहित सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। मेले में दो पहिया वाहन लाने वाले वाहन चालक के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की गई। उन्होंने मेले की सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं में लगे अधिकारी- कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले नागरिकों व श्रद्धालुओं की सुरक्षा और अन्य सुविधाओं में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। दुकानों के निरीक्षण के दौरान दुकानों में रखे अग्निशमन यंत्र को अपने समक्ष चलवा कर देखा। स्नान करते समय किसी भी तरह दुर्घटना न हो, इसे लेकर अधिकारियों ने घाटों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बरमान कलां के गोपाल घाट में गुरूवार को मां नर्मदा जी का पूजन- अर्चन किया। उन्होंने मां नर्मदा जी से जिले की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

रफ्तार का कहर, अनियंत्रित बाइक खड़े कंटेनर से टकराई, हादसे में 3 लहूलुहान

गोटेगांव। समीप मुंगवानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर बकोरी टोल प्लाजा के पास दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से जा घुसी। इस भिड़ंत में बाइक पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और युवक काफी दूर तक घिसटते चले गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम बेदू निवासी सुरेंद्र नौरिया (32), बब्बू (36) और दीवान सिंह (26) एक ही बाइक पर सवार होकर किसी कार्यवश जा रहे थे। जैसे ही वे बकोरी टोल प्लाजा के समीप पहुंचे, चालक ने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया और बाइक सीधे कंटेनर से जा टकराई। हादसे में तीनों युवकों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टोल प्लाजा के कर्मियों ने तत्काल 1033 एम्बुलेंस को सूचना दी। घायलों को त्वरित उपचार के लिए जिला अस्पताल नरसिंहपुर में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है।

राशन दुकान या दलालों का अड्डा? गरीबों के निवाले पर जिम्मेदारों और बिचौलियों की नजर

गोटेगांव। स्थानीय नगर की सरकारी उचित मूल्य की दुकानों पर इन दिनों वितरण प्रक्रिया में भारी अनियमितता और कालाबाजारी का बोलबाला है। राशन कार्ड धारकों का आरोप है कि दुकानों पर दलालों का जमावड़ा लगा रहता है, जो गरीब हितग्राहियों से सस्ते दामों पर राशन खरीदकर उसे ऊंचे दामों पर बाजार में बेच रहे हैं। राशन धारियों ने बताया कि जैसे ही वे अनाज लेकर बाहर निकलते हैं, दलाल उन पर कम दाम में राशन बेचने का दबाव बनाने लगते हैं। आर्थिक मजबूरी के चलते कई जरूरतमंद इन दलालों के जाल में फंस जाते हैं, जिससे सरकारी योजना का मुख्य उद्देश्य ही विफल हो रहा है।

***अधिकारी और तुलैया भी संदेह के घेरे में**

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस खेल में केवल बाहरी दलाल ही नहीं बल्कि राशन केंद्रों पर तैनात कुछ जिम्मेदार अधिकारी और तुलैया भी कथित तौर पर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कई केंद्रों पर अधिकारी सीधे हितग्राहियों से राशन की पर्ची लेकर और उन्हें कुछ नकद राशि थमाकर पूरा राशन खुद रख लेते हैं। बाद में इसी राशन को बोरी में भरकर बाहर खड़े दलालों को बेच दिया जाता है, जिससे यह कर्मचारी दोहरा मुनाफा कमा रहे हैं।

***प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल**

शहर में यह मुद्दा जन चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और पीड़ति राशनधारियों ने मांग की है कि वितरण प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दुकानों के बाहर सक्रिय दलालों सहित कालाबाजारी में लिप्त कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई हो। लोगों का कहना है कि जब तक निगरानी तंत्र मजबूत नहीं होगा, तब तक गरीबों के हक पर डाका डलता रहेगा।

हाईकोर्ट के आदेश को दरकिनार कर द्वितीय क्रमोन्नति से रखा जा रहा वंचित

तेंदूखेड़ा। प्रदेश का जबलपुर संभाग शिक्षकों के हितों के लिए अपने खुद के बनाए नियमों पर चल रहा है। यहां पर हाईकोर्ट के आदेश को भी दरकिनार कर द्वितीय क्रमोन्नति के लाभ से वंचित रखा जा रहा है। जिसमें जबलपुर संभाग के 7 जिलों के शिक्षक आर्थिक लाभ से बंचित हैं। संभाग में कार्यरत जिन माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति उच्च माध्यमिक शिक्षक पद पर हो चुकी है। उन्हें अपने से जूनियर शिक्षकों से कम वेतन मिल रहा है। यह कारनामा जबलपुर संभाग के तत्कालीन संयुक्त संचालक की मनमानी और हठधर्मिता के कारण निर्मित हुई है। दरअसल इन शिक्षकों को 24 साल की सेवा पूरी होने के बाद भी द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ नहीं दिया गया है।जबकि इन्हीं शिक्षकों के साथ नियुक्त माध्यमिक शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नत वेतनमान मिल जाने से सीनियर शिक्षकों का वेतन जूनियर से कम हो गया है। पदोन्नति प्राप्त करने वाले ऐसे शिक्षकों की संख्या नरसिंहपुर जिले में 47 और पूरे जबलपुर संभाग में 369 हैं। इन शिक्षकों ने बताया कि मध्यप्रदेश के दूसरे संभागों में पिछले साल ही द्वितीय क्रमोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं।जबकि जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक ने इन शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश रोक दिए थे। संयुक्त संचालक कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों का मानना है कि इन शिक्षकों को एक क्रमोन्नति और एक पदोन्नति मिल चुकी है। इसलिए दूसरी क्रमोन्नति नहीं मिल सकती। दरअसल शिक्षा विभाग के नियमानुसार शिक्षकों को दो उच्चतर वेतनमान ही मिल सकते हैं। जबकि लाभ से बंचित इन शिक्षकों का कहना है कि उन्हें पहली क्रमोन्नति के बाद पदोन्नति में उच्चतर वेतनमान नहीं मिला है ।इस बात का उल्लेख उनकी सर्विस बुक में भी है। परन्तु विभागीय पदोन्नति समिति इस बात को नजरंदाज कर शिक्षकों को अनावश्यक परेशान कर उनके आर्थिक लाभ से बंचित कर रही है।वेतनमान विसंगति का शिकार हुए ये शिक्षक वर्ष 1998 में शिक्षाकर्मी वर्ग 2 के पद पर नियुक्त किए गए थे।2007 में इन शिक्षाकर्मियों का अध्यापक संवर्ग में संविलयन हुआ तो इन्हें अध्यापक पदनाम मिल गया।12 वर्ष पूर्ण होने पर शासन के नियमानुसार इन्हें 2010 में प्रथम क्रमोन्नति मिल चुकी है। इनमें से वरिष्ठता के आधार पर 2011 से 2015 तक इन शिक्षकों को पदोन्नति देकर वरिष्ठ अध्यापक तो बना दिया लेकिन इन्हें उच्चतर वेतनमान नहीं दिया। कुछ शिक्षकों को पदोन्नति पर वेतनमान मिला तो विभाग द्वारा इसे गलत मानकर इसकी रिकवरी कर दी।इन सभी शिक्षकों की 24 वर्ष की सेवा अवधि 2022 में पूरी होने के बाद भी आज दिनांक तक द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ नहीं मिला है। अब ऐसे तमाम शिक्षक लामबंद हो चुके हैं। बताया जाता है कि जबलपुर संभाग के इन शिक्षकों के द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश रोके हुए हैं। जबकि भोपाल रीवा इंदौर सागर संभागों में इन शिक्षकों को यह लाभ मिल चुका है। जबलपुर संयुक्त संचालक वेतनमान से संबंधित नियमों से अनजान बन लोक शिक्षण संचालनाल से मार्गदर्शन माग रहे हैं और वरिष्ठ अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं।जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक से अब शिक्षकों को आश जगी है। अप्रैल 2025 को जबलपुर संभाग द्वारा भोपाल में बैठे अधिकारियों से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा गया है।जिस पर आयुक्त लोक शिक्षण ने तीन सदस्यीय समिति का गठन कर मामले के परीक्षण के लिया था। परन्तु विभागीय अधिकारियों की मनमानी की बजह से 8 माह बाद भी इन शिक्षकों की द्वितीय क्रमोन्नति के संबंध में कोई मार्गदर्शन दिया गया है।जिसके चलते इन शिक्षकों को करीब चार हजार रुपए प्रति माह का नुक़सान हो रहा है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने इसी विषय पर जबलपुर हाईकोर्ट से स्पष्ट आदेश प्राप्त कर लिया है।जो आयुक्त लोक शिक्षण के लिए पूर्णतः बाध्यकारी है। इसके बावजूद शिक्षकों द्वारा आयुक्त को विधिवत अभ्यावेदन सौंपे जाने के बाद भी आज तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया । जिससे प्रशासनिक उदासीनता और संवेदनहीनता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

पदोन्नति के बाद भी सीनियर शिक्षकों का वेतन जूनियर शिक्षकों से भी कम

शिक्षकों को लाभ से वंचित रखना भेदभाव

शिक्षकों का कहना है कि यह मामला अब केवल क्रमोन्नति तक सीमित नहीं रहा बल्कि समानता न्याय और संवैधानिक अधिकारों का प्रश्न बन चुका है। एक ही शासन, एक ही विभाग और एक ही सेवा नियम होने के बावजूद केवल जबलपुर संभाग के शिक्षकों को इस लाभ से वंचित रखना स्पष्ट रूप से भेदभाव को दर्शाता है। शिक्षकों के संगठन उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ व मध्यप्रदेश शिक्षक संघ सहित राज्य शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही द्वितीय क्रमोन्नति लागू कर वेतन विसंगति समाप्त नहीं की गई, तो वे न्यायालय की अवमानना याचिका राज्यस्तरीय आंदोलन तथा मीडिया के माध्यम से व्यापक जनदबाव बनाने के लिए बाध्य होंगे।